

बिहार विधान सभा वादवृत्त

बृहस्पतिवार, तिथि ३० मार्च १९५०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का काय-
विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने में बृहस्पतिवार, तिथि ३० मार्च १९५० को ११ बजे
पुर्वाह में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ ।

तारांकित प्रश्नोत्तर

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

Secretariat Co-operative Stores

§ 180. **Shri Deoki Nandan Prasad :** Will the Hon'ble Minister Incharge, Development, be pleased to state—

(a) whether there is a Secretariat Co-operative Stores at Gardanibagh ;

(b) if the reply to clause (a) be in the affirmative, who is the President of the said Co-operative Stores ;

(c) how many Directors for the said Stores are there ;

(d) when the meeting of the Board of Directors was last held ;

(e) when the accounts of the said Stores was last audited and when it is likely to be audited again in view of the theft cases and other irregularities, if any ?

श्री वीरचन्द्र पटेल : (क) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(ख) वर्तमान समय में स्टोर का प्रधान श्री जे० एन० साहु, Deputy Registrar Co-operative Societies, Bihar हैं ।

(ग) कमिटी में १२ डाइरेक्टरस हैं।

(घ) आखिरी मिटिंग मनेजिंग कोमिटी की २६ नवम्बर १९४९ को हुई।

(ङ) स्टोरस को एकाउन्ट मार्च १९४९ में ऑडिट हुआ था। यह ऑडिट १९४७-४८ के एकाउन्ट का था। १९४९ का ऑडिट करेन्ट ईयर में होगा। चोरी १८-२-५० को हुई थी, वह पुलिस की तहकीकात में है।

श्री देवकी नन्दन प्रसाद : डिप्टी रजीस्ट्रार जो इसके प्रेसिडेंट हैं क्या वे मनेजमेंट में कुछ हाथ रखते हैं ?

श्री वीरचन्द्र पटेल : डिप्टी रजीस्ट्रार, प्रेसिडेंट है और वे उसके मनेजमेंट का पूरा ध्यान रखते हैं।

श्री देवकी नन्दन प्रसाद : वहां का प्रेसिडेंट डिप्टी रजीस्ट्रार को किसने बनाया ?

श्री वीरचन्द्र पटेल : वहां की मनेजिंग कोमिटी ने एक प्रस्ताव किया और रजीस्ट्रार, कोओपरेटिव सोसाइटीज से अनुरोध किया कि वे प्रेसिडेंट बने, मगर रजीस्ट्रार ने समयाभाव के कारण इसको अस्वीकार कर दिया। मनेजिंग कोमिटी ने प्रस्ताव किया और तब डिप्टी रजीस्ट्रार प्रेसिडेंट हुए।

श्री देवकी नन्दन प्रसाद : क्या सरकारी आदमी को कोओपरेटिव सोसाइटी के कामों में भाग लेने का अधिकार है ?

श्री वीरचन्द्र पटेल : जी हां। कोओपरेटिव सोसाइटीज में सभी वर्ग के लोग भाग ले सकते हैं। कोओपरेटिव सोसाइटीज जैसी सुन्दर संस्था से सरकारों कर्मचारी बञ्चित रखे जाय यह व्यवस्था ठीक नहीं है।

Theft In The Secretariat Co-operative Stores

§ 181. **Shri Deoki Nandan Prasad** : Will the Hon'ble Minister Incharge of Development Department, be pleased to state—

(a) why no general meeting of the Secretariat Co-operative Stores was held during the last three years ;

(b) whether any case of theft has recently occurred in the said Co-operative Stores ;

(c) what was the value of property stolen ?

श्री वीरचन्द्र पटेल : (क) Last Annual General Meeting 28-9-47 को हुई थी। ओडिट रिपोर्ट १९४७-४८ का जून १९४९ में तैयार हुई। Annual General Meeting audit report के पहले नहीं होती है इसलिये इस मीटिंग के होने में देर हुई। Annual General Meeting बहुत जल्द होगी चूंकि ओडिट रिपोर्ट आ चुकी है।

(ख) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ग) औसत ५ हजार की चोरी हुई है।

Disobedience Of Orders By The Secretary, Secretariat Co-operative Stores.

§ 182, **Shri Deoki Nandan Prasad** : Will the Hon'ble Minister Incharge Development, be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that the Secretary of the said Stores has several times disobeyed the orders of the Board of Directors ;

(b) If the reply to clause (a) be in the affirmative, what step has been taken by the Board of Directors against the said Secretary;

(c) Whether it is a fact that the said Secretary purchased salt worth several thousands of rupees on his own accord ; if so, how far was he authorised to do so, if not, what step was taken against him by the Board of Directors for the same ?

श्री वीरचन्द्र पटेल : (क) उत्तर नकारात्मक है। इसलिये दूसरे प्रश्न नहीं उठते हैं।

Bihar Provincial Co-operative Bank.

१८३। श्री बासुदेव प्रसाद सिंह : क्या माननीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या बिहार प्रान्तीय को-ऑपरेटिव बैंक (Bihar Provincial Co-operative Bank) सरकार के अधीन है ;